उपराष्ट्रपति, भारत

संदेश

केरल के पूर्व मुख्यमंत्री, पूर्व केन्द्रीय मंत्री, वयोवृद्ध नेता और सांसद श्री के. करुणाकरन के दुःखद निधन के बारे में जानकर मुझे गहरा दुःख पहुंचा है।

श्री करुणाकरन ने स्वतंत्रता संग्राम और श्रमिक संघ आंदोलन में अपनी भागीदारी के जरिए ख्याति हासिल की। उन्होंने अपने सार्वजनिक जीवन के अनेक वर्षों के दौरान देश और विशेषकर केरल राज्य की शानदार सेवा की। उन्होंने गरीब और पददलित लोगों के उत्थान के लिए कार्य किया और अपने समर्पण तथा लोक सेवा-भाव के कारण उन्हें जनता से सम्मान तथा प्रशंसा प्राप्त हुई। देश के लिए की गई उनकी सेवाओं को सदैव याद रखा जाएगा।

मैं तथा मेरी धर्मपत्नी शोक-संतप्त परिवार के सदस्यों एवं बड़ी संख्या में उनके प्रशंसकों और मित्रों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त करते हैं और ईश्वर से यह प्रार्थना करते हैं कि वह उन्हें इस क्षति को सहन करने की शक्ति प्रदान करे।

ह./-

(मो. हामिद अंसारी)

नई दिल्ली
23 दिसंबर, 2010